

Daily Current Affairs

Date : 26 November, 2025



अनुक्रमणिका

क्र. सं.	टॉपिक का नाम
1.	चार्ली ने मुआय थाई नेशनल में जीता गोल्ड
2.	एशियन इक्वेस्ट्रियन चैम्पियनशिप : दिव्यकृति सिंह
3.	नयी चेतना 4.0 'पहल बदलाव की' जेंडर अभियान का शुभारम्भ
4.	झुंझुनूं (बासियाल) से मिले साढ़े चार हजार साल पुरानी सभ्यता के प्रमाण
5.	न्यूज़ इन शॉर्ट्स 1. रीको का ईआरपी पोर्टल 2. अथर्व लखेरा : अंडर-10 वर्ल्ड स्केटिंग 3. प्रो. नीलिमा गुप्ता को मिला एसएमसी-मैंटर अवॉर्ड 4. रेलवे के महाप्रबंधक को एलुमनी अवॉर्ड
6.	संगाई महोत्सव
7.	आपदा सूचना प्रबंधन के विकास हेतु एशिया और प्रशांत केंद्र (APDIM)
8.	पैरासोशल (Parasocial)
9.	ऑस्ट्रेलिया-कनाडा-भारत प्रौद्योगिकी और नवाचार (ACITI)
10.	इथियोपिया का निष्क्रिय ज्वालामुखी हेयली गुब्बी
11.	भारत-फ्रांस संयुक्त रूप से हैमर का निर्माण
12.	अनुच्छेद 240
13.	न्यायमूर्ति सूर्यकांत 53वें मुख्य न्यायाधीश
14.	सूर्यकिरण अभ्यास
15.	लाचित बोरफुकन
16.	न्यूज़ इन शॉर्ट्स 1. आईएनएस माहे

--:1:--



राजस्थान परिदृश्य



चार्ली ने मुआय थाई नेशनल में जीता गोल्ड



चर्चा में क्यों?

- उत्तराखंड में आयोजित मुआय थाई नेशनल चैंपियनशिप में जयपुर की चार्ली शर्मा ने गोल्ड मेडल जीता। चार्ली ने इस चैंपियनशिप में राजपूताना मुआय थाई एसोसिएशन, राजस्थान का प्रतिनिधित्व किया।



मुख्य बिन्दु:

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु :

- मुआय थाई (Muay Thai), जिसे "आठ अंगों की कला" के नाम से भी जाना जाता है, थाईलैंड का राष्ट्रीय खेल और एक कठिन मार्शल आर्ट है।
- यह एक पूर्ण-संपर्क वाली युद्ध कला है, जिसमें खड़े होकर प्रहार करने के साथ-साथ जकड़ने (क्लिंचिंग) की तकनीकों का उपयोग किया जाता है।

एशियन इक्वेस्ट्रियन चैम्पियनशिप : दिव्यकृति सिंह

चर्चा में क्यों?

- एशियन इक्वेस्ट्रियन चैम्पियनशिप 2025 का आयोजन पटाय (थाईलैंड) में हुआ। जिसमें भारतीय ड्रेसाज टीम ने रजत (सिल्वर) पदक जीता। थाईलैंड को गोल्ड और हांगकांग को ब्रॉन्ज मिला। भारतीय टीम सिर्फ 0.2% अंतर से गोल्ड से चूक गई।



मुख्य बिन्दु:

- भारतीय टीम में तीन कुशल राइडर्स - उत्तर प्रदेश के गौरव पुंडीर, राजस्थान की दिव्यकृति सिंह और महाराष्ट्र की श्रुति वोरा शामिल थे।
- दिव्यकृति सिंह भारत की अकेली अश्वारोही हैं, जिन्होंने एशियाई खेलों और एशियन इक्वेस्ट्रियन चैम्पियनशिप दोनों में पदक जीते हैं।

नयी चेतना 4.0 'पहल बदलाव की' जेंडर अभियान का शुभारम्भ

चर्चा में क्यों?

- ग्रामीण विकास विभाग, राजस्थान सरकार के अधीन राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद् (राजीविका) द्वारा नयी चेतना 4.0 - 'पहल बदलाव की' जेंडर अभियान का शुभारम्भ जयपुर में किया गया।

मुख्य बिन्दु:

- यह अभियान 25 नवम्बर से 23 दिसम्बर 2025 तक राज्यभर में संचालित होगा।
- इसी के साथ 16 Days of Activism Against Gender-Based Violence कार्यक्रम की भी शुरुआत की गई, जिसमें डिजिटल माध्यमों में महिलाओं एवं बालिकाओं के विरुद्ध हिंसा की रोकथाम को मुख्य फोकस बनाया गया है।

झुंझुनूं (बांसियाल) से मिले साढ़े चार हज़ार साल पुरानी सभ्यता के प्रमाण

चर्चा में क्यों?

- बांसियाल में पहली बार बस्ती के भीतर की संरचनाओं के साक्ष्य मिले हैं, जहां स्पष्टकुटी (झोपड़ी) की रूपरेखा और उससे जुड़ा प्लेटफॉर्म सामने आया है। यह खोज प्राचीन घरेलू वास्तुकला और बस्ती संगठन की नई समझ देती है।



मुख्य बिन्दु:

स्थान:

- झुंझुनूं जिला, राजस्थान
- बांसियाल गांव (जिला - मुख्यालय से 65 किमी दूर)

सभ्यता का काल:

- लगभग साढ़े चार हज़ार साल पुरानी सभ्यता (लगभग 2500 BCE)
- ताम्रपाषाणिक संस्कृति (Copper-Chalcolithic Culture) से संबंधित

--:5::--

Daily Current Affairs

Date : 26 November, 2025



साक्ष्य व खोज:

- लाइम पाउडर से बनी दीवारें
- तांबे की रिंग
- हड्डी के औजार और आभूषण
- कार्नेलियन-स्टीटाइट के मनके
- लाल रंग के मिट्टी के बर्तन (सेरेमिक), हैंडल युक्त बर्तन
- पहली बार घर (झोपड़ी) के स्पष्ट अवशेष व प्लेटफॉर्म
- बस्ती संगठन व घरेलू वास्तुकला का प्रमाण

वैज्ञानिक एवं शोध:

- **शोधकर्ता:** डॉ. ईशा प्रसाद, डॉ. श्वेता सिन्हा देशपांडे
- भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग की अनुमति व दीर्घकालिक अनुसंधान परियोजना के तहत उत्खनन।
- 4 वर्षों तक सर्वे, अक्टूबर 2025 में उत्खनन का प्रारंभ।

व्यापारिक व सांस्कृतिक संबंध:

- हड़प्पा सभ्यता के समसामयिक, व्यापार संबंध।
- गुजरात, हरियाणा व राजस्थान के अन्य इलाकों से संपर्क।
- गणेश्वर सभ्यता का हिस्सा व अंतर-सांस्कृतिक संपर्क का केंद्र।

--:6:--

✂ न्यूज़ इन शॉर्ट्स ⚡

क्र. सं.	न्यूज़
1.	<p>रीको का ईआरपी पोर्टल</p> <ul style="list-style-type: none">■ औद्योगिक क्षेत्रों में आवंटित भूखंडों पर अनुमत गतिविधि परिवर्तन प्रक्रिया को अधिक व्यावहारिक, पारदर्शी और समयानुकूल बनाने हेतु रीको ने ईआरपी पोर्टल लॉन्च किया हैं।■ पट्टाधारी अब एक अनुमत उपयोग से दूसरे अनुमत उपयोग के लिए स्वीकृति निर्धारित शुल्क पर प्राप्त कर सकेंगे।■ गतिविधि परिवर्तन हेतु ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू।
2.	<p>अथर्व लखेरा : अंडर-10 वर्ल्ड स्केटिंग</p> <ul style="list-style-type: none">■ जयपुर निवासी अथर्व लखेरा ने इंटरनेशनल एंड्यूरेंस वर्ल्ड स्केटिंग चैम्पियनशिप की अंडर-10 स्पीड इनलाइन कैटेगरी में तीन ब्रॉन्ज मेडल जीते।■ यह चैम्पियनशिप 22 और 23 नवंबर को पुणे में आयोजित हुई थी। इसमें केन्या, श्रीलंका, मालदीव, नेपाल, यूएई, फिलिपींस सहित 10 देशों के स्केटर्स ने हिस्सा लिया था।■ अथर्व ने ओवरऑल तीसरा स्थान हासिल किया।■ अथर्व ने 5 मिनट एलिमिनेशनल रेस, 2 मिनट एंड्यूरेंस रेस और 20 सेकंड स्प्रिंट रेस में ब्रॉन्ज मेडल जीते।



3.

प्रो. नीलिमा गुप्ता को मिला एसएमसी-मैटर अवॉर्ड



- राजस्थान विश्वविद्यालय की रसायन विभागाध्यक्ष प्रोफेसर नीलिमा गुप्ता को बीएआरसी मुंबई में आयोजित 7वीं नेशनल वर्कशॉप ऑन मैटीरियल्स कैमेस्ट्री (एनडब्ल्यूएमसी-2025) के दौरान एसएमसी-मैटर अवॉर्ड 2025 से सम्मानित किया गया।
- यह सम्मान उन्हें अनुसंधान और विज्ञान शिक्षा में उनके अतुलनीय योगदान के लिए दिया गया।

4.

रेलवे के महाप्रबंधक को एलुमनी अवॉर्ड



- उत्तर पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक अमिताभ को मोतीलाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एमएनएनआईटी) इलाहाबाद की ओर से हाल ही में प्रयागराज में आयोजित कार्यक्रम में डिस्टिगुइश्ड एलुमनी अवार्ड से सम्मानित किया गया है।
- यह अवार्ड उन्हें व्यावसायिक उत्कृष्टता, नवाचार और समाज सेवा में उत्कृष्ट योगदान देने पर दिया गया है।



संगाई महोत्सव



चर्चा में क्यों?

- विरोध प्रदर्शनों के बीच मणिपुर में संग्गाई महोत्सव शुरू हुआ।



मुख्य बिन्दु:

संगाई महोत्सव

- यह मणिपुर का वार्षिक सांस्कृतिक महोत्सव (21-30 नवंबर) है। इसका नाम संग्गाई हिरण के नाम पर रखा गया है।
- संग्गाई हिरण को ब्रो-एंटलर्ड डीयर के रूप में भी जाना जाता है। यह एक दुर्लभ प्रजाति है, जो केवल भारत के केइबुल लामजाओ राष्ट्रीय उद्यान में पाई जाती है।
- केइबुल लामजाओ राष्ट्रीय उद्यान विश्व का एकमात्र तैरता हुआ राष्ट्रीय उद्यान है।
- केइबुल लामजाओ राष्ट्रीय उद्यान मणिपुर की लोकटक झील में स्थित है।

अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य

आपदा सूचना प्रबंधन के विकास हेतु एशिया और प्रशांत केंद्र (APDIM)



चर्चा में क्यों?

- समावेशी आपदा जोखिम डेटा गवर्नेंस पर APDIM का 10वां सत्र नई दिल्ली में आयोजित हुआ।



मुख्य बिन्दु:

- **स्थापना:** 2015
- **प्रकार:** यह एशिया और प्रशांत के लिए संयुक्त राष्ट्र आर्थिक एवं सामाजिक आयोग का एक क्षेत्रीय संस्थान है।
- **मुख्यालय:** तेहरान (ईरान)।
- **कार्य:** डेटा व ज्ञान साझा करना, क्षमता निर्माण करना, जोखिम आकलन और विश्लेषण करना, देशों को पूर्व-चेतावनी प्रणालियों को मजबूत करने में मदद करना, प्रतिक्रिया समन्वय और आपदा-पश्चात पुनर्प्राप्ति योजना बनाना, क्षेत्रीय सहयोग को बढ़ावा देना आदि।

पैरासोशल (Parasocial)

चर्चा में क्यों?

- कैम्ब्रिज शब्दकोश ने 'parasocial' (पैरासोशल) को 2025 का 'वर्ड ऑफ द ईयर' नामित किया।

मुख्य बिन्दु:

पैरासोशल

- यह शब्द हालिया समय में विशेष रूप से सोशल मीडिया के उदय और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) चैटबॉट्स के आगमन के साथ काफी प्रासंगिक हो गया है।
- यह एक ऐसा संबंध है, जो किसी व्यक्ति को किसी प्रसिद्ध व्यक्ति जिसे वे नहीं जानते, या किसी किताब, फिल्म, टीवी श्रृंखला आदि के चरित्र के साथ जुड़ा हुआ महसूस कराता है।
- जब दर्शक उनका कंटेंट देखने में कई घंटे व्यतीत करते हैं, तो वे पैरासोशल बंधन विकसित कर लेते हैं, और चरित्रों को करीबी दोस्तों, परिवार या पंथ के नेताओं की तरह अधिक मानने लगते हैं।

ऑस्ट्रेलिया-कनाडा-भारत प्रौद्योगिकी और नवाचार (ACITI)



चर्चा में क्यों?

- ऑस्ट्रेलिया, कनाडा और भारत ने जोहान्सबर्ग में G20 शिखर सम्मेलन के दौरान एक नए त्रिपक्षीय ढांचे ACITI की घोषणा की।



मुख्य बिन्दु:

ऑस्ट्रेलिया-कनाडा-भारत प्रौद्योगिकी एवं नवाचार (ACITI) साझेदारी

- **उद्देश्य:** महत्वपूर्ण और उभरती प्रौद्योगिकियों एवं नवाचार के क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाना।
- **फोकस क्षेत्र:** स्वच्छ ऊर्जा तथा विशेष रूप से महत्वपूर्ण खनिजों में विविध व लचीली आपूर्ति श्रृंखलाएं।

UTKARSH

CIVIL
SERVICES

इथियोपिया का निष्क्रिय ज्वालामुखी हेयली गुब्बी

चर्चा में क्यों?

- इथियोपिया में लम्बे समय से सुप्त ज्वालामुखी हेयली गुब्बी 12,000 वर्षों के बाद फट गया, जिससे राख का गुबार लाल सागर से होते हुए यमन, ओमान और भारत तक फैल गया।

मुख्य बिन्दु:

इथियोपिया का अफ़ार डिप्रेशन और पूर्वी अफ्रीकी दरार

- हेयली गुब्बी ज्वालामुखी इथियोपिया के अफ़ार क्षेत्र में अदीस अबाबा से लगभग 800 किलोमीटर उत्तर-पूर्व में स्थित है।
- अफ़ार डिप्रेशन, जिसे डानाकिल डिप्रेशन के नाम से भी जाना जाता है, जहां तीन टेक्टोनिक प्लेटें मिलती हैं: अफ्रीकी (न्युबियन) प्लेट, सोमालियाई प्लेट और अरबियन प्लेट।
- यह क्षेत्र व्यापक पूर्वी अफ्रीकी दरार प्रणाली का हिस्सा है।
- पूर्वी अफ्रीकी दरार प्रणाली के अंतर्गत, अफ्रीकी प्लेट को न्युबियन प्लेट (पश्चिमी) और सोमालियाई प्लेट (पूर्वी) में विभाजित किया गया है।

भारत-फ्रांस संयुक्त रूप से हैमर का निर्माण

चर्चा में क्यों?

- भारत की BEL और फ्रांस की सफ्रान मिलकर भारत में हैमर सटीक-निर्देशित हथियार का निर्माण करेंगी।

मुख्य बिन्दु:

- यह समझौता 2025 में एयरो इंडिया के दौरान हस्ताक्षरित समझौता जापान के बाद हुआ है।
- योजना के तहत भारत में 50:50 शेयरधारिता वाली एक संयुक्त उद्यम कंपनी स्थापित की जाएगी।
- हैमर (हाइली एजाइल मॉड्यूलर म्यूनिशन एक्सटेंडेड रेंज) अत्यधिक फुर्तीला है, तथा लदाख जैसे पहाड़ी इलाकों में संचालन के लिए उपयुक्त है।
- रेंज: 70+ किमी।
- GNSS (वैश्विक नेविगेशन उपग्रह प्रणाली)-निषिद्ध या जाम किए गए परिवेश में भी उच्च सटीकता के साथ दागो और भूल जाओ सिद्धांत पर आधारित।
- एक साथ कई लक्ष्यों पर हमला करने की क्षमता से युक्त।

राजव्यवस्था

अनुच्छेद 240

चर्चा में क्यों?

- केंद्रीय गृह मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि आगामी शीतकालीन सत्र में चंडीगढ़ का दर्जा बदलने वाला कोई विधेयक पेश नहीं किया जाएगा।

मुख्य बिन्दु:

- लोक सभा के एक बुलेटिन में कहा गया था कि केंद्र चंडीगढ़ को संविधान के अनुच्छेद 240 के अंतर्गत लाने के लिए संविधान संशोधन प्रस्तुत करेगा।
- इससे केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ में एक स्वतंत्र प्रशासक के लिए मार्ग प्रशस्त हो जाता।
- उल्लेखनीय है कि वर्तमान में पंजाब का राज्यपाल चंडीगढ़ का प्रशासक होता है।

अनुच्छेद 240

- यह राष्ट्रपति को अंडमान-निकोबार द्वीप समूह, लक्षद्वीप, दादरा और नगर हवेली तथा दमन एवं दीव सहित कुछ केंद्र शासित प्रदेशों की शांति, प्रगति व प्रभावी शासन के लिए नियम बनाने की शक्ति प्रदान करता है।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत 53वें मुख्य न्यायाधीश

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने भारत के 53वें मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ ली, जो न्यायमूर्ति बी.आर. गवई का स्थान लेंगे।

मुख्य बिन्दु:

भारत के मुख्य न्यायाधीश

- **औपनिवेशिक न्यायपालिका में उत्पत्ति:** मुख्य न्यायाधीश का पद फोर्ट विलियम स्थित सर्वोच्च न्यायालय से जुड़ा है, जिसकी स्थापना ब्रिटिश संसद द्वारा 1774 में रेगुलेटिंग एक्ट के तहत की गई थी।
- भारतीय उच्च न्यायालय अधिनियम, 1861 के तहत कलकत्ता (1862), बॉम्बे और मद्रास में उच्च न्यायालय स्थापित किए गए, जिनमें से प्रत्येक का नेतृत्व एक मुख्य न्यायाधीश द्वारा किया जाता था।
- **स्वतंत्रता के बाद का संवैधानिक ढांचा:** भारत के संविधान ने औपचारिक रूप से अनुच्छेद 124 के तहत भारत के सर्वोच्च न्यायालय की स्थापना की, जिसने भारत के संघीय न्यायालय (1937-1950) का स्थान लिया।
- न्यायमूर्ति हरिलाल जेकिसनदास कानिया 26 जनवरी 1950 को भारत के प्रथम मुख्य न्यायाधीश बने, जिस दिन संविधान लागू हुआ था।

भारत के मुख्य न्यायाधीश के संवैधानिक अधिदेश

- भारत का सर्वोच्च न्यायालय भारतीय संविधान के भाग V, अध्याय IV (अनुच्छेद 124 से 147) के अंतर्गत स्थापित है।
- **अनुच्छेद 124:** सर्वोच्च न्यायालय की स्थापना और गठन।

Daily Current Affairs

Date : 26 November, 2025



- **अनुच्छेद 124 (1):** भारत का एक सर्वोच्च न्यायालय होगा, जिसमें भारत का एक मुख्य न्यायाधीश और अन्य न्यायाधीश होंगे।
- **अनुच्छेद 124 (2):** सर्वोच्च न्यायालय के प्रत्येक न्यायाधीश को भारत के राष्ट्रपति द्वारा अपने हस्ताक्षर और मुद्रा सहित वारंट द्वारा नियुक्त किया जाएगा और वह तब तक पद धारण करेगा जब तक वह पैंसठ वर्ष की आयु प्राप्त नहीं कर लेता।
- **अनुच्छेद 145:** यह सर्वोच्च न्यायालय को मुख्य न्यायाधीश के नेतृत्व में अपनी कार्यप्रणाली और प्रक्रिया को विनियमित करने के लिए नियम बनाने का अधिकार देता है।
- **अनुच्छेद 146:** यह सर्वोच्च न्यायालय के अधिकारियों और कर्मचारियों की नियुक्ति और सेवा शर्तों पर मुख्य न्यायाधीश को अधिकार प्रदान करता है।
- **अनुच्छेद 147:** यह 'सर्वोच्च न्यायालय' शब्द को परिभाषित करता है, जिसमें मुख्य न्यायाधीश और अन्य न्यायाधीश शामिल हैं।

-:17:-

सैन्य अभ्यास

सूर्यकिरण अभ्यास



चर्चा में क्यों?

- भारत और नेपाल ने उत्तराखंड के पिथौरागढ़ में संयुक्त सैन्य अभ्यास सूर्यकिरण का 19वां संस्करण शुरू किया है।



मुख्य बिन्दु:

- **शुरुआत: 2011**
- सूर्यकिरण अभ्यास भारतीय सेना और नेपाल सेना के बीच प्रतिवर्ष दोनों देशों में पारस्परिक आधार पर आयोजित किया जाता है।
- 18 वां संस्करण नेपाल के सलझंडी में आयोजित किया गया।

व्यक्तित्व

लाचित बोरफुकन

चर्चा में क्यों?

- प्रधान मंत्री ने अहोम सेनापति लचित बोरफुकन को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की।

मुख्य बिन्दु:

- **जन्म:** 24 नवंबर 1622 को असम के चराइदेव जिले में हुआ था।
- वह एक महान अहोम सेनापति थे, जो 1671 के सरायघाट युद्ध में अपने नेतृत्व के लिए प्रसिद्ध थे, जहां उन्होंने राजा राम सिंह प्रथम के नेतृत्व में मुगल सेना को निर्णायक रूप से हराया।
- राजा चक्रध्वज सिंह ने उन्हें पाँच बोरफुकनों में से एक नियुक्त किया था और प्रशासनिक, न्यायिक और सैन्य कर्तव्य सौंपे थे।
- **सम्मान:** राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (NDA) वर्ष 1999 से सर्वश्रेष्ठ कैडेट को लाचित बोरफुकन स्वर्ण पदक प्रदान करती है। 24 नवंबर को लचित दिवस मनाया जाता है।
- असम के जोरहाट में उनकी 125 फीट ऊँची कांस्य प्रतिमा स्थापित की गई है।

✂ न्यूज़ इन शॉर्ट्स ⚡

क्र. सं.	न्यूज़
1.	<p>आईएनएस माहे</p> <ul style="list-style-type: none">■ भारत के पहले माहे श्रेणी के पनडुब्बी रोधी युद्धक आईएनएस माहे को सेना प्रमुख द्वारा नौसेना डॉकयार्ड में कमीशन किया गया।■ आईएनएस माहे का नाम मालाबार तट पर स्थित तटीय शहर माहे के नाम पर रखा गया है।■ विशेषताएँ: इसमें दो शाफ्ट वाला डीजल प्रणोदन है जो 6 मेगावाट से अधिक बिजली उत्पन्न करता है और इससे इसे 25 नॉट की अधिकतम गति, 14 नॉट पर 1,800 समुद्री मील की रेंज और 14 दिनों की क्षमता प्राप्त होती है।

